

पद ३३८

(राग: झिंजोटी - ताल: दीपचंदी)

पुयंबरकु जाने सोहि मुसल्मान । रसूले खुदा वो कहावे पयंबर
बतावे राह रब पढाके कल्मा । लाइलाहइल्लिला है अल्ला । नहीं है
सिवा उसके सुनो तुम अए उल्मा । मानिक कहे खुद खुदाने कहा
है । मुहम्मदकु जाने सोहि मेरा मेहमां ॥१॥